पाठ 15. रहस्य खुल गया

पाठ का उद्‌देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्‌देश्य बच्चों को समस्याओं का समाधान निकालने के लिए सूझबूझ और बुद्‌धिमत्ता से काम लेने की सीख देना है।

पाठ का सारांश

मेजर प्रवेश शर्मा फ़ौजी अफ़सरों के साथ बैठक में जो भी महत्वपूर्ण बातें करते थे, वे दुश्मन-देश के पास पहुँच जाती थीं। मेजर शर्मा इस बात को लेकर चिंतित रहने लगे। उनके बेटे राकेश के पूछने पर उन्होंने सारी बातें उसे बताईं। राकेश भी अपने पिता के साथ सैन्य बैठकों में जाने लगा। वह कमरे की सभी वस्तुओं का निरीक्षण करता। एक दिन उसे कमरे में आने वाली मक्खियों पर शक होने लगता है। जल्द ही वह रहस्य से पर्दा उठाता है तथा सभी अधिकारियों को दिखाता है। सभी अधिकारीगण राकेश की बुद्‌धिमत्ता की प्रशंसा करते हैं और उसे पुरस्कार दिलाने के लिए भी विचार-विमर्श करते हैं। राकेश ने अपनी सूझबूझ के बल पर अपने देश की महत्वपूर्ण सूचनाओं को दुश्मन-देश तक पहुँचने से रोक लिया।

अध्यापन संकेत

बच्चों से एक-एक करके पाठ का वाचन करवाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बच्चों से चर्चा करें। कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- ❖ भारतीय सेना के तीनों अंगों के बारे में तुम क्या जानते हो? ये सेनाएँ किस प्रकार देश की रक्षा करती हैं?
- ❖ तुम्हारी दृष्टि में किसी भी देश में सैन्य शक्ति का क्या महत्व है?
- ❖ देश की रक्षा के अतिरिक्त ये सैन्य दल और क्या कार्य करते हैं? बच्चों को बताएँ कि ये सैन्य दल आवश्यकता पड़ने पर प्राकृतिक आपदा जैसे – बाढ़, भूकंप के अतिरिक्त आतंकवादी हमलों में बचाव कार्य में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्‌यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।